
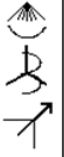


Sri – Om VEDIC MATHEMATICS AWARENESS YEAR

E-Newsletter Issue no 147 dated 31-03-2015

(Organizers Dr. S. K. Kapoor, Sh. Rakesh Bhatia, Sh. Bhim Sein Khanna, Sh. Deepak Girdhar)

For previous issues and further more information visit at www.vedicganita.org

		<p>ॐ । गायत्री छन्द । सरसवती मंत्र । महेश्वर सूत्र । गणित सूत्र</p> <p>Om Gvatri Chand, Saraswati Mantra, Maheshwar Sutra, Ganita Sutras</p>
---	---	--

वैदिक गणित (सूर्य रश्मियों का गणित)	Vedic Mathematics (Sunlight format Mathematics)
<p>I. देवनागरी वर्णमाला II. जड़ भरत III. वर्णों की उत्पत्ति IV. पंचीकरण V. ज्योति व्यूह अंक VI. आ ब्रह्म भुवन लोक VII बीज अक्षर VIII श्री ॐ IX देवनागरी लिपि X रेफ XI एक वर्णमाला से दूसरी वर्णमाला तक</p> <p style="text-align: center;">XII गणित सूत्रों का स्थापत्य आधार</p> <p>वेद शुद्ध विद्याओं का प्रिय स्वरूप है:</p> <p>उपवेद शुद्ध प्रिय ज्ञान का प्रिय उपयोगी ज्ञान है:</p> <p>अथर्ववेद का उपवेद स्थापत्य उपवेद है। यही वैदिक गणित, विज्ञान व तकनीक का आधार है। स्थापत्य मापदण्ड का अधिपत्य विष्णु देवता का है।</p> <p>इस मापदण्ड के मान का अधिपत्य सृष्टिकर्ता चतुरमुखी ब्रह्म का है।</p> <p>यहां मापदण्ड के मान का विधि विधान धन से विपरीत 'अनघ' वाला है। अनघ</p>	<p>I. Devnagri alphabet II. Jad Bharat III. Creation of letters IV. 5 x 5 format V. Transcendental code value VI. Along organization format of elongated first vowel VII Seeds syllables VIII Sri Om IX Devnagrai script X Raif (letter: second Antstha) XI From one alphabet to another alphabet</p> <p style="text-align: center;">XII Sathapatya basis of Ganita Sutras</p> <p>Vedas are reservoir of pure knowledge.</p> <p>Upvedas are the applied values of pure knowledge of Vedas.</p> <p>Sathapatya upved is the upved of Atharavved. This is the basis of Vedic mathematics, Science & Technology. Lord Vishnu is the presiding deity of Sathapatya measuring rod.</p> <p>Presiding deity of the Measure of this measuring rod is Lord Brahma, four head lord, creator the supreme.</p> <p>The values and procedures of this measuring rod are of opposite orientations</p>

दिशा पृथ्वी से सूर्य तक छः आयामों वाली तथा सात सोपानों वाली है।

Serial number	0	1	2	3	4	5	6	7
Hyper cube	●	—	□	⊠	⊞	⊚	⊛	⊜

इसकी प्राप्ति छब्बीस छन्दों की प्राप्ति वाली है।

प्रत्येक छन्द चार पादों वाला है वा इस तरह से ये प्राप्ति $26 \times 4 = 108$ पादों वाली है यही स्थापत्य आधार है। इसी आधार को जानने की आवश्यकता है और इसी आधार पर ही वैदिक गणित सूत्रों के प्रबन्ध का मूल्यांकन करने से वैदिक गणित सूत्रों के स्थापत्य आधार की समानता का निर्णय किया जाना है।

*

of cube and the same is parallel to the orientation of hyper cube. This measuring rod is of six phases and of seven steps.

Serial number	0	1	2	3	4	5	6	7
Hyper cube	●	—	□	⊠	⊞	⊚	⊛	⊜

The attainment of this measuring rod is parallel to the attainment of 26 meters.

Every meter is of four quarters. And like that this attainment is of $26 \times 4 = 108$ quarters. This is the Sathapatya basis. Need is to know basis. On this basis the organization of the text of Ganita Sutras` is to be chased and to be evaluated to reach at the conclusion about Sathapatya basis of Ganita Sutras.

*